लॉकडाउन में पीजी में सेक्स की मस्ती- 2

“Xxx हॉस्टल लड़कियों की चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे एक गर्म चालू लड़की ने अपनी कुंवारी सहेली को उत्तेजित करके अपने यार से चुदवा दिया. दोनों लड़कियां कैसे चुदी ? ...”

Story By: sunny Verma (sunnyverma)
Posted: Monday, August 24th, 2020
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: लॉकडाउन में पीजी में सेक्स की मस्ती- 2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लॉकडाउन में पीजी में सेक्स की मस्ती- 2

⍰ यह कहानी सुनें

Xxx हॉस्टल लड़कियों की चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे एक गर्म चालू लड़की ने अपनी कुंवारी सहेली को उत्तेजित करके अपने यार से चुदवा दिया. दोनों लड़कियां कैसे चुदी ?

प्रिय पाठको, मेरी Xxx हॉस्टल लड़कियों की चुदाई कहानी के पिछले भाग
लॉकडाउन में पीजी में सेक्स की मस्ती- 1
में आपने पढ़ा कि कैसे मकान मालकिन ने पीजी वाले लडके से अपनी चुदाई करवा के अपनी अधूरी वासना शांत की.

अब आगे की Xxx हॉस्टल लड़कियों की चुदाई कहानी :

हालांकि ये सेशन तो काफी देर चलता पर अनिल की आवाज से दोनों की गांड फट गयी.

आकाश ने अपना सारा माल नैन्सी की चूत में डाल दिया. उन्हें डर था कि कहीं अनिल टॉयलेट के लिए ना आ जाए.

नैन्सी ने फटाफट चूत साफ़ करी और फ्लश चला दिया और गाउन डाल कर बाहर आ गयी.
बाहर अनिल जग गया था.

नैन्सी ने लाईट बंद करी और अपना गाउन उतार कर नंगी हो गयी और अनिल का लोअर भी नीचे कर दिया.
वो अनिल से बोली- तुमसे चुदे बिना नींद नहीं आती.

नैन्सी ने अनिल को ऐसे करवट दिलाई कि उसका मुंह दीवार की ओर हो जाए. नैन्सी ने अनिल का लंड अपने मुंह में ले लिया.
हालांकि मोटे खीरे और मरियल सी ककड़ी जैसा फर्क था आकाश और अनिल के लंड में! पर नैन्सी को तो आकाश को कमरे से निकालना था.
मौका देख आकाश आहिस्ता से कमरे से निकल लिया.

नैन्सी ने भी अनिल के ऊपर चढ़ कर जल्दी ही उसको निचोड़ दिया. आज की रात नैन्सी के लिए चरमसुख की रात थी.

उधर अगले दिन रवीना और कविता बोर हो रही थीं. ब्रेकफास्ट लेने के बाद बोरियत हो रही थी.
रवीना ने कविता से कहा- चल आज साथ साथ नहाती हैं.
कविता बोली- तू नहा ले. मैं अभी नहीं नहा रही, मैं तो अभी सोऊँगी.

पर रवीना कहां मानती. उसने खड़े होकर कविता का बरमूडा नीचे खींच दिया और उसे लेकर भाग गयी बाथरूम में. कविता को मालूम था कि अगर वो नहीं गयी तो रवीना पानी का मग लाकर उसके ऊपर डाल देगी.
इससे पहले वो रवीना के साथ कभी नहीं नहाई थी. यों तो दोनों ने कई बार एक दूसरे के सामने कपड़े बदले हैं, पर इससे ज्यादा कुछ नहीं.

रवीना ने आवाज दी कि आ रही है कि नहीं.
जब कविता नहीं हिली तो रवीना टॉवल लपेटे वहीं आ गयी. जाहिर था कि उसने नीचे कुछ नहीं पहना था.

कविता बोली- तू नहा ले, मेरे को शर्म आती है.
तो रवीना ने अपना टॉवल खोल दिया और नंगी ही खड़ी हो गयी, बोली- अब भी शर्मा आ

रही है क्या ?

रवीना बिल्कुल सनी लियोनी की स्टाइल में खड़ी थी. मांसल गोरा बदन, मोटे मोटे मम्मे. अब रवीना ने कविता की चादर खींच ली.

कविता नीचे से तो नंगी ही थी. रवीना उसको पकड़ के बाथरूम ले गयी और उसका टॉप भी उतार दिया. अब दोनों निपट नंगी थी.

रवीना ने बॉडी आयल अपने हाथ में लिया और अपने मम्मों पर डाला और बोतल कविता को दे दी.
कविता ने आयल अपनी हथेलियों पर लेकर रवीना की पीठ पर लगाना शुरू किया.
रवीना को मजा आ रहा था.

कविता ने पहले रवीना की पीठ, फिर गर्दन से होते हुए उसकी गोलाइयों की मसाज की. कविता ने अब आयल सीधा रवीना के मम्मों पर उड़ेल दिया और मम्मों से लेकर उसके पेट पर हाथ फहराते हुए वो सीधे अपनी हथेलियाँ रवीना की चूत में ले गयी.

रवीना को कविता से ये उम्मीद नहीं थी. पर उसे मजा आ रहा था. उसने आहें निकालनी शुरू कीं तो कविता ने अपनी हथेलियों की साइडों से उसकी चूत को मसाज देनी शुरू कर दी.
पूरे आधे घंटे दोनों एक दूसरे से लिपट लिपट कर मसाज करती रहीं.

जब थक गयी तो शावर लेकर बाहर आयीं. दोनों ने ही केवल एक लॉन्ग टॉप डाल लिया और बेड पर चिपट कर लेट गयीं.
रवीना ने कविता क चूमते हुए अपने से चिपटा लिया.

एक डेढ़ घंटा सोने के बाद फ्रेश होकर दोनों उठीं. रवीना की चूत तो फड़क रही थी. उसका

चुदाई का मन था. उसे लग रहा था कि कहीं से वाइब्रेटर मिल जाए तो मजा आ जाए.
रवीना अपनी हॉस्टल लाइफ में एक दो बार चुदवा चुकी थी. पर इस डर से कि कहीं छेद बढ़ न जाए और शादी के बाद दिक्कत न हो, उसने ये रिस्क फिर कभी नहीं लिया.

पर कविता अछूती थी. रवीना ने नीचे घुस कर कविता की चूत में अपनी जीभ कर दी. वो कविता को गर्म करना चाहती थी और ऐसा करने में वो जल्दी ही कामयाब भी हो गयी.

अब रवीना अपने प्लान पर आई.
उसने कविता से कहा- सुन आज रात कुछ मस्ती करते हैं. रवि को बुलाते हैं. बियर शियर पियेंगे, डांस करेंगे बस.

कविता बोली- पागल है ? अगर नीचे नैन्सी आंटी को मालूम पड़ गया या आकाश ने देख लिया तो पंगा हो जाएगा. और ना बाबा न, रवि तो वेसे ही सेक्स का भूखा है, अगर कुछ गड़बड़ हो गयी तो ?
रवीना बोली- ये सब तू मुझ पर छोड़ दे, कुछ नहीं होगा. चल लंच पर चलते हैं.

कपड़े पहन कर दोनों नीचे लंच पर गयीं.
वहां अकेला रवि था, आकाश नैन्सी और अनिल के साथ डॉक्टर के गया था. रवि और रवीना कि लगता है पहले से कुछ सेटिंग थी.

तो रवीना ने सीधे उसे धौल जमाते हुए कहा- चलो आज रात को डिनर साथ करेंगे. बियर लगायेंगे.
रवि बोला- अभी नैन्सी आंटी आकाश से कह रही थीं कि अंकल को कमर में मोच आ गयी है. तो आकाश दो-तीन दिन नीचे उनके ड्राइंग रूम में सो जाया करे !
तो आज रात को रवि ऊपर अकेला ही रहेगा. मामला सेट हो गया.

रात को डिनर टाइम पर सभी अपनी अपनी प्लेट लगा कर अपने अपने कमरे में आ गए.
आकाश अपनी प्लेट लगाकर वहीं नैन्सी और अनिल के साथ खाने लगा.
चूँकि आकाश को ऊपर आना नहीं था तो रवि ने आकाश को बोल दिया कि मैं तो ड्रिंक लगा कर सोऊंगा. तो अगर तुझे कुछ लेना हो तो ले ले, वर्ना गेट सुबह ही खुलेगा.

ऊपर कमरे में आते समय रवीना ने रवि की प्लेट भी ले ली और कमरे में आ गयी.

नहाकर रवीना ने रवि को मोबाइल किया. रवि पांच मिनट में ही आ गया. रवीना ने उसे अंदर किया और गेट बंद कर लिया.
रवीना और कविता दोनों ने ही बरमूडा और टॉप डाला हुआ था. रवि भी शॉर्ट्स और टी शर्ट में था.

कमरे में हल्की लाईट की हुई थी और म्यूजिक चल रहा था. अब पीजी में सोफे तो होते नहीं … तो तीनों बेड पर ही बैठ गए.

रवीना ने फ्रिज से बियर निकाल ली और सबको गिलास में दे दी. रवि एक छोटी बोतल व्हिस्की की लाया था तो थोड़ी थोड़ी सभी के गिलास में लुढका दी.
हालांकि कविता मन करती रही पर रवीना ने जबरदस्ती डाल दी.

गिलास आधा होते होते कुछ नॉनवेज जोक शुरू हो गए. रवीना और कविता डांस के लिए खड़ी हुईं. तब तक रवि ने गिलास फिर भर दिए. अब रवि भी डांस के लिए खड़ा हुआ. और पहले सभी ने दो चार घूँट बियर के मार लिए.

अब रवि बीच में था और रवीना और कविता बेल की तरह उससे चिपट कर डांस करने लगीं. नशा हो चला था. कमरे का माहौल सेक्सी हो चुका था.

रवीना ने रवि के होंठों से होंठ मिला दिए.

कविता के लिए ये नया था. पर कुछ तो नशे का सुरूर और कुछ शरीर में जल चुकी कामोत्तेजना, अब उसे अच्छा लग रहा था. वो रवीना के पीछे से चिपट गयी और अपने हाथों से उसके मम्मे दबाने लगी.

अब रवीना मुड़ी और कविता के होठों से होंठ मिला दिए. रवि रवीना के टॉप को पीछे से उठा कर उसकी नंगी कमर पर चूमने लगा. रवीना ने एक हाथ पीछे कर के रवि का लंड मसल दिया.

अब क्या था … चिंगारी भड़क चुकी थी.

रवि बेड पर लेट गया और रवीना को अपने पास बुलाया. रवीना सीधे उसके ऊपर लेट गयी और दोनों एक दूसरे को बेतहाशा चूमने लगे.
कविता भी रवि के साइड में लेट गयी और रवि के कानों पर चूमने लगी.

रवि ने रवीना को दूसरी साइड में कर दिया. रवीना को तो वो पहले भी चूम चाट चुका था. कविता नया माल थी आज उसके लिए. उसने अपना चेहरा कविता की ओर घुमाया और अपने दोनों हाथों से उसके गाल पकड़े और अहिस्ता से उसे होंठों पर किस किया.

फिर तो कविता ने भी उसे अहिस्ता अहिस्ता होटों पर चूमना शुरू किया.

धीरे धीरे कविता और रवि की जीभें किसी मजे हुए खिलाड़ी की तरह टकराने लगीं. उधर रवीना ने अपना टॉप उतार फेंका और पीछे से रवि का टॉप भी उतार दिया. रवि ने कविता का टॉप भी उतारना चाहा तो कविता नानुकुर करने लगी.

रवीना ने रवि से कहा- अभी इसका हीटर गर्म नहीं हुआ है. आ हम दोनों अपनी आग बुझाते हैं. तब तक ये भी तैयार हो जायेगी.
कह कर रवीना ने अपना लोअर भी उतार दिया और रवि का लोअर नीचे खींच कर उसका

फनफनाता हुआ लंड अपने मुंह में ले लिया.

कविता हैरानी से देख रही थी.

रवि ने उसे अपनी ओर खींच और फिर उसके होंठ से अपने होंठ मिला दिए. अब कविता ने हथियार डाल दिए और रवि ने उसका टॉप ओर लोअर उतार दिया.
अब तीनों नंगे थे.
रवि ने कविता को अपने मुंह के ऊपर बिठाया और कविता की अनछुई जवानी में अपनी जीभ घुसा दी.

कविता की चूत में जैसे ही रवि की जीभ घुसी कविता सिहर गयी. रवि ने अपने बलिष्ठ हाथों से उसके मम्मी पकड़ लिए और उन्हें दबाते हुए कविता को पागल कर दिया.

रवीना उठी और अपनी चूत को रवि के लंड के ऊपर सेट करके बैठ गयी. कुछ देर रवि के लंड से अपनी चूत की बाहर से मसाज करवाने के बाद रवीना ने अपने हाथों से रवि का लंड अपनी चूत में कर लिया और लगी उछलने.

कविता ने रवीना के मम्मी पकड़ लिए और अपने होंठ रवीना के होंठ से मिला दिए.

थोड़ी देर में दोनों चूतों ने अपने पार्टनर बदले.
अब कविता नीचे लेटी थी और रवि उसके ऊपर चढ़ गया था. रवि ने उसकी टांगों को चौड़ा करके धीरे से अपना लंड उसकी चूत में पेला.
कविता चीख उठी. उसका कौमार्य भंग हो गया था. उसकी सील टूट गयी थी.

कविता को चूमकर रवीना ने उसे हिम्मत बंधाई. पहले तो कविता दर्द से बिलबिलाई पर अब उसे भी मजा आने लगा था. अब वो भी चाह रही थी कि रवि उसकी चूत में और गहराई तक जाए.

रवीना रवि की पीठ पर चूम रही थी.

कविता की चूत से खून आ गया था. तो रवि ने चुदाई रोक दी.
रवीना ने कविता की चूत पर टॉवल लगा दिया और उससे कहा कि वो थोड़ा आराम करे.

अब रवीना नीचे लेटी. इस बीच रवि बाथरूम से अपना लंड धोकर आ गया. अब रवि और रवीना की धमाकेदार चुदाई शुरू हुई. उन्होंने कामसूत्र की कई मुद्राएँ कीं.

पहले रवि ने रवीना को नीचे लिटाकर उसकी टाँगें चौड़ा कर पेलमपेल की. फिर वो रवीना के ऊपर लेट कर मछली की तरह तैरने लगा. उसका लंड धीरे धीरे रवीना की चूत की गहराई में जाता, फिर बाहर आता.

अब रवि ने रवीना को घोड़ी बना कर पीछे आकर अपना लंड उसकी गांड में घुसाना चाहा तो रवीना ने मन कर दिया और अपने हाथों से ही उसका लंड अपनी चूत में कर लिया.

आखिर में रवीना ने रवि का जबरदस्त चोदन किया. वो चढ़ गयी रवि के ऊपर और उछाल उचल कर रवि का सारा माल खाली कर दिया.

कविता बोली- तूने अंदर करवा लिया, कुछ गड़बड़ हो गयी तो ?
रवीना बोली- नहीं, मेरे पीरयड्स के हिसाब से सेफ है.

अब तीनों नहाने गए. कविता चल नहीं पा रही थी. पर फिर भी नहा ली.

रवीना ने डिनर लगाया और कविता को हल्दी का दूध दिया पीने को. अब कविता समझी कि रवीना ने दिन में दूध के दो पैकेट क्यों मंगवाए थे. हल्दी वो नीचे किचन से ले आई थी. कविता को रवीना ने एक पेन किलर भी दिया.

डिनर के बाद रवीना ने एक बार फिर फटाफट वाला सेक्स किया रवि के साथ. और रात 12

बजे करीब रवि को विदा कर दिया.
रवीना ने जीने में रवि को एक डीप फ्रेंच किस दिया और वो इतनी जोर से रवि से चिपटी कि गिरते गिरते बची.
वो तो जीने की रेलिंग का उसे सहारा मिल गया, पर उसकी हल्की सी चीख निकल गयी.
रवि ने उसको फटाफट छोड़ा और अपने फ्लैट में घुस गया.

नीचे आकाश और नैन्सी चुदाई में लगे थे. आज उन्होंने अनिल को पेन किलर बता कर नींद की दवा दे दी थी तो ड्राइंग रूम में नीचे फर्श पर नैन्सी चुदवा रही थी.

नैन्सी को जवां आकाश का लंड इतना भा गया था कि अब वो अनिल से बेवफाई किसी भी हद तक करने को तैयार थी. उसे तो बस पलंग तोड़ चुदाई चाहिए थी और वो उसे अनिल दे नहीं पाता था.

आकाश और नैन्सी बिल्कुल नंगे होकर चुदाई में लगे थे.
पर आकाश के कान ऊपर की आहट से खड़े हुए. उसे लगा कि जीने में कोई आवाज हुई है.
उसने नैन्सी को छोड़ना चाहा तो नैन्सी ने उसे छोड़ा ही नहीं ... बल्कि अब वो आकाश को नीचे करके उसके ऊपर चढ़ गयी. ऊपर से वो चुदाई कर रही थी और नीचे से आकाश धक्के लगा रहा था.
आज तो चूंकि अनिल का खतरा नहीं था तो उसने नैन्सी के गोरे मांसल मम्मों को लाल कर दिया था. मम्मे मसलवाने में नैन्सी की भी सीत्कारें निकल रही थीं. नैन्सी अब हांफने लगी थी, पर आकाश का माल निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था.

एक जोरदार झटके से आकाश ने फिर नैन्सी को नीचे पलटा और अबकी बार उसने नैन्सी की टांगों को पूरा चौड़ा कर अपना मूसल पूरा पेल दिया.
दस बीस धुंआधार धक्कों में आकाश ने सारा माल नैन्सी के मम्मों पर निकाल दिया. अब वो फटाफट वाशरूम जाकर अपने को फ्रेश करके कपड़े पहन के एक बार ऊपर गया.

नैन्सी से उसने किवाड़ बंद कर लेने को कहा.

वो दबे पाँव ऊपर गया, तो उसने महसूस किया कि रवि ने उसकी आहट सुन कर ही लाईट बंद की है.

आकाश अपने रूम के अंदर नहीं गया बल्कि लड़कियों के रूम की तरफ गया तो उसे बाहर से ही रवीना और कविता की खिलखिलाहट सुनाई दी. रवीना कह रही थी कि कमीनी आज तो तेरी सुहागरात मनवा दी है, पार्टी करनी होगी.

आकाश को कहानी समझ में आ गयी. वो सीधा रवि के कमरे में गया तो रवि जग रहा था. वो आकाश को देख कर मुस्कुराया.

आकाश बोला- तू ऊपर क्या कर रहा था ?
तो रवि बोला- जो तू नीचे कर रहा था.

असल में रवि रवीना के पास से बजाये अपने रूम में जाने के नीचे गया था और नैन्सी की सीत्कारों से उसे भी सारा माजरा समझ में आ गया था.
अब आकाश कुछ नहीं बोला और अपने बेड पर जाकर सो गया.

सुबह रवि ने उससे कहा कि रात की बात को दोनों को भूलने में ही समझदारी है.

पर आकाश जब नीचे गया तो नैन्सी ने उसे अलग ले जाकर पूछा- रात को तुम वापस क्यों नहीं आये ?
आकाश ने उसे टालने की कोशिश की पर नैन्सी ने उसे धमकाकर सच उगलवा ही लिया.

अब नैन्सी को चिंता अपनी इज्जत की हुई. अगर रवि ने ये बात लड़कियों को बता दी तो ?
नैन्सी ने एक खेल रचा. उसने आकाश से कहा- आज रात तुम ऊपर ही रुकना और रवि को

नीचे भेजना. मैं उससे अकेले में बात करुँगी.
आकाश ने कुछ ना नुकुर की तो नैन्सी बोली- घबराओ मत, मैं सिर्फ तुम्हारी हूँ, पर रवि को चुप करना जरूरी है.

रात को 10 बजे करीब रवि नैन्सी के पास आया और बोला- आपने मुझे क्यों बुलाया था.
नैन्सी बोली- रवि मैं बात नहीं घुमाती. सीधे सीधे बताओ कल तुमने क्या हरकत की है.
मुझे कविता सब बता गयी है. अगर मैंने कविता के पिता जो पुलिस में बड़े अफसर हैं, को बता दिया तो वो समझ ले, उसका क्या होगा.

रवि इसी लफड़े से बचने के लिए तो इस शौक को छोड़ चुका था, आज फिर फंस गया.
उसने नैन्सी से हाथ जोड़ कर माफ़ी मांगी और कहा कि आगे से ऐसा नहीं होगा.

नैन्सी ने उसके सामने दो शर्त रखीं. एक तो वो लॉकडाउन खुलते ही पीजी खाली करेगा और दूसरे आज रात उसे नैन्सी की चुदाई करनी होगी.

रात को फिर नैन्सी की घमासान चुदाई हुई.
पर होशियार नैन्सी ने चुपके से उसकी फिल्म बना ली और रवि को विदा करते समय ये बता भी दिया ताकि वो हमेशा के लिए इस रात को भूल जाए.

तो दोस्तो कैसी रही Xxx हॉस्टल लड़कियों की चुदाई कहानी ?
लिखियेगा मुझे enjoysunny6969@gmail.com पर.

Other stories you may be interested in

पड़ोसन भाभी का प्यार या वासना- 1

मैरिड लेडी कामवासना कहानी में पढ़ें कि मेरे सेक्स रिलेशन पड़ोसन भाभी से थे. लेकिन मैं चाहता था कि वो अपने पति से सम्बन्ध सुधारे. फिर भी वो मेरे पीछे पड़ी हुई थी. अन्तर्वासना के पाठकों मेरा यानि रमित का […]

Full Story >>>

लॉकडाउन में पीजी में सेक्स की मस्ती- 1

लॉकडाउन सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि कैसे कुछ लड़के लड़कियां पीजी में अपने मकान मालिक मालकिन के साथ फंस गए. मालकिन ने कैसे एक लड़के के लंड का मजा लिया ? दोस्तो, पिछले दिनों तो सिर्फ दो ही चीज चर्चा में […]

Full Story >>>

कड़कती बिजली तपती तड़पती चूत- 13

लड़की की सेक्सी घांड की कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी साली की गांड को तेल लगा कर चुदाई के लिए तैयार किया. वो डर रही थी. जब मेरे लंड का सुपारा उसकी गांड में घुसा तो … मैंने […]

Full Story >>>

कड़कती बिजली तपती तड़पती चूत- 11

इस हिंदी सेक्सी लव स्टोरी में पढ़ें कि मेरी साली फ्रंट ओपन नाइटी में बिस्तर पर लेटी थी. उसकी नंगी जांघें मुझे उत्तेजित कर रही थी. मैंने कैसे अपनी साली को प्यार से चोदा ? साली जी की जांघें भी अत्यंत […]

Full Story >>>

शादी की सालगिरह में मिले दो कच्चे लौड़े- 2

शादीशुदा चूत में लंड की कहानी में पढ़ें कि कैसे मेरे पति ने मेरी चुदास जानकर मेरे लिए अपने ऑफिस से दो लड़के मेरी चुदाई के लिए भेज दिए. तो मैंने क्या किया ? मेरी शादीशुदा चूत में लंड की कहानी […]

Full Story >>>